वी.यू. के वन्यप्राणी विशेषज्ञों द्वारा हनुमान लंगूर की गई आर्थोपेडिक सर्जरी

नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर के स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ, जबलपुर में रोड एक्सीडेन्ट में घायल व्यस्क मादा लंगूर नरसिंहपुर से लगभग एक सप्ताह पहले वन विभाग के अमले द्वारा लाया गया था। प्रथम दृष्टया वन्यजीव चिकित्सकों ने गहन परीक्षण के पष्चात् पाया गया कि उसके दोनों पैरों में फैक्चर है। एक्सरे से ज्ञात हुआ कि हाथ और पैर की क्रमशः ह्यूमर एवं फीमर बोन के दो-तीन टुकड़े हो चुके है। ऐसी स्थिति में नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. डॉ. एस.पी. तिवारी जी को सूचित किया गया। तदानुसार डॉ. शोभा जावरे के नेतृत्व में इस लंगूर को गहन चिकित्सा कक्ष में वन्यजीव स्वास्थ्य से जुड़ी डॉक्टरों की टीम को इसकी देखरेख में लगाया गया तथा दिनांक 08.09.2021 को पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय के सर्जरी विभाग में अत्याधुनिक इन्टरलॉकिंग नेलिंग सिस्टम द्वारा इसकी टूटी हुई हड्डियों को जोड़ने का निर्णय लिया गया। मध्यप्रदेश में दुर्घटनाग्रस्त वन्यप्राणियों के टूटे हुये अंगों की सर्जरी एवं इन्टरलॉकिंग नेलिंग सिस्टम का प्रयोगकर हड्डियों को जोड़ने का यह पहला अनुप्रयोग है, जिसे सफलता पूर्वक किया गया। इस जटिल शल्यचिकित्सा में डॉ. शोभा जावरे, डॉ. रणधीर सिंह, डॉ. बबीता दास, डॉ. अपरा साही, तथा स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ से डॉ. निधि राजपूत, डॉ. माधवी धैर्यकर प्रमुख थी। पी.एच.डी. एवं पी.जी. छात्र-छात्रायें डॉ. गिरिराज शाक्य, डॉ. मनोज रेड्डी, डॉ. विशाल तोमर, डॉ. वैशाली, डॉ. आनंद, डॉ. मयंक आदि ने भी इस गहन चिकित्सा में अपनी अहम भूमिका निभाई। ऑर्थोपैडिक सर्जरी के पश्चात इस हनुमान लंगूर को स्कूल ऑफ वाईल्डलाईफ फॉरेंसिक एण्ड हैल्थ के चिकित्सा कक्ष में रखा गया है। जिसकी देखरेख वन्यजीव स्वास्थ प्रबंधन की टीम द्वारा निरंतर किया जा रहा है। संभावना है कि जब यह पूर्ण रूप से स्वस्थ हो जायेगा तो यह पुनः प्राकृतिक स्वच्छन्दता में अपना जीवन यापन कर सकेगा।

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर